पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

पांच पूर्व सरसंघचालकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केन्द्रित पुस्तकों का लोकार्पण किया गया

राज्यपाल ने गुरूओं के साथ के अपने अनुभव साझा किये

प्रभात प्रकाशन ने पुस्तक के रूप में समाज को दीपावली का बड़ा तोहफा दिया - श्री नाईक

पुस्तकों के माध्यम से ऐसे महान व्यक्तियों के जीवन के बारे में जानने और पहचानने का मौका मिलेगा - मुख्यमंत्री

शुद्ध आत्मा से समाज सेवा करते हैं तो कोई रूकावट नहीं आती है - अमित शाह

लखनऊः 10 अक्टूबर, 2017

प्रभात प्रकाशन द्वारा साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आज आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांच पूर्व सरसंघचालकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केन्द्रित पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री अमित शाह, प्रो0 भगवती प्रकाश शर्मा, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष श्री बल्देव शर्मा, प्रभात प्रकाशन के श्री प्रभात कुमार व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे। डा॰ श्याम बहादुर शर्मा ने 'हमारे डा॰ हेडगेवारजी', श्री संदीप देव ने 'हमारे गुरूजी', श्री रामबहादुर राय एवं श्री राजीव गुप्ता ने 'हमारे बालासाहब देवरस', श्री देवेन्द्र स्वरूप एवं श्री ब्रजकिशोर शर्मा ने 'हमारे रज्जू भैया' तथा श्री बल्देव शर्मा ने 'हमारे सुदर्शन जी' नामक पुस्तकों की रचना की है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पांचों सरसंघचालकों से नजदीक का संबंध रहा है और उनके दिये गये संस्कारों से जीवन में बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि डा॰ हेडगेवार से 6 वर्ष की उम्र में सम्पर्क में आया तथा छोटी उम्र में भी बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। गुरू गोलवलकर जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। प्रचारक बनना चाहते थे पर पिता के असामयिक निधन से घर की जिम्मेदारी के कारण गोलवलकर गुरूजी की सलाह पर सरकारी सेवा आरम्भ की। बालासाहब देवरस से आत्मीय संबंध थे। एक दुर्घटना में जब घायल अवस्था में लोकमान्य तिलक अस्पताल में भर्ती थे तो बालासाहब देवरस हालचाल लेने स्वयं आये थे।

श्री नाईक ने रज्जू भैया के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि वे मार्गदर्शक के रूप में उनके जीवन में स्थान रखते हैं। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए बराबर विचार विनिमय होता रहता था। उनकी सलाह से पेट्रोल में ईथाना॰ल का मिश्रण शुरू किया, जिससे किसानों का एक तरह से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में लाभ हुआ। उन्होंने बताया कि सुदर्शन जी से भी बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। उनकी कार्यशैली अद्भुत थी। राज्यपाल ने प्रभात प्रकाशन की सराहना करते हुए कहा कि प्रभात प्रकाशन ने पुस्तक के रूप में समाज को दीपावली का बड़ा तोहफा दिया है। किताब के माध्यम से विश्वसनीय जानकारी मिलेगी तथा समाज को नई दिशा, नई प्रेरणा के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किताबों के प्रकाशन से समाज को अतीत से जोड़ने का प्रयास किया गया है। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पांच किताबों का संग्रह समाज को एक दृष्टि के साथ-साथ व्यक्तिवादी, जातिवादी सोच से अलग हटकर राष्ट्रधर्म की रक्षा करने का संदेश भी देता हैं। पुस्तकों के माध्यम से ऐसे महान व्यक्तियों के जीवन के बारे में, जो समाज के लिये समर्पित थे, को जानने और पहचानने का मौका मिलेगा। पांचों दिवंगत विभूतियों ने समाज को बहुत कुछ दिया। उन्होंने कहा कि जिसे अपने इतिहास का बोध नहीं होता वह अपने भूगोल को भी सुरक्षित नहीं कर सकता।

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री अमित शाह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डा॰ हेडगेवार, गुरू गोलवलकर, बालासाहब देवरस, रज्जू भैया, सुदर्शन जी ने अपने जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। ये लोग स्व के लिये न जीकर संस्था के लिये जीये। स्वयं को पिघलाकर देश के लिये काम किया। ऐसे लोगों ने समाज के लिये जीना अपना धर्म माना तथा उज्जवल परम्परा की स्थापना की। पांचों सरसंघचालक ऐसे विद्वान थे कि कई संत भी स्वयं को उनके सामने बौना समझते थे। उन्होंने कहा कि शुद्ध आत्मा से समाज सेवा करते हैं तो कोई रूकावट नहीं आती है।

कार्यक्रम में प्रो0 भगवती प्रकाश शर्मा एवं श्री बल्देव शर्मा ने भी अपने विचार रखे। श्री प्रभात कुमार ने सभी महानुभावों का स्वागत किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (393/13)

प्रभात
प्रकाशन
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के
पाँच परम पूजनीय सरसंघचालकों
के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर केंद्रित पुस्तकें
लोकार्पणकर्ता
मान. श्री अमित भाई शाह
भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं सदस्य, राज्यसभा
सानिध्य
मान. श्री राम नाईक
उत्तर प्रदेश के राज्यपाल
हमारे सुदर्शनजी
हमारे डॉ. हेडगेवारजी
हमारे श्रीगुरुजी
हमारे बालासाहब देवरस
हमारे रज्जू भैया

प्रकाशन
प्रभात
प्रकाशन

प्रभात प्रकाशन
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के
पाँच परम पूजनीय सरसंघचालकों
के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर केंद्रित पुस्तकें
लोकार्पणकर्ता
मान. श्री अमित भाई शाह
भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं सदस्य, राज्यसभा
सानिध्य
मान. श्री राम नाईक
प्रभात प्रकाशन
हमारे डॉ. हेडगेवारजी
हमारे श्रीगुरुजी
हमारे बालासाहब देवरस
हमारे सुदर्शनजी
हमारे रज्जू भैया

पाँच परम पूजनीय सरसंघचालकों
के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर केंद्रित पुस्तकें
लोकार्पणकर्ता
मान. श्री अमित भाई शाह
भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं सदस्य, राज्यसभा
सानिध्य
मान. श्री राम नाईक
उत्तर प्रदेश के राज्यपाल
मुख्य अतिथि
मान. योगी आदित्यनाथजी
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री
मुख्य वक्ता
मान. प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा
प्रभात प्रकाशन
हमारे बालासाहब देवरस
हमारे सुदर्शनजी
हमारे रज्जू भैया
हमारे श्रीगुरुजी
हमारे डॉ. हेडगेवारजी